Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

अब कालाबाजारी–जमाखोरी ने तोड़ी जनता की कमर

दिक्कतें

■तो सरकार गरीब इंसान कैसे भरेंगे अपना पेट ? ■आटा, दालों–सब्जियों के आसमान छू रहे दाम

संवाददाता

देहरादून। कोरोना वायरस को लेकर उत्तराखण्ड सरकार ने 31 मार्च तक प्रदेश भर में लॉकडाउन का आदेश दे दिया है लेकिन, आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी से आम इंसान को कोई परेशानी न हो इसके लिए अभी तक कोई भी दिशा–निर्देश न तो शासन और न ही प्रशासिनिक स्तर पर जारी किये गए।

आलम ये है कि, खाद्यान आपूर्ति सुचारु रूप से चलाने के लिए जिम्मेदार विभाग आंखे मूंदे बैठा है। इस भारी भरकम मंत्रालय के मंत्री भी अभी तक खामोश बैठे है। कालाबाजारी करने वाले खुलेआम लोगों से मनमाने दाम वसूल रहे हैं। लगता है जैसे सरकार का इनपर कोई अंकुश ही नहीं है।

जैसा की देखने में आ रहा है ,समस्त पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दिन–रात पूरी लगन से अपनी ड्यूटी बजा रहे हैं। इन लोगों के लिए न रात को चौन है न दिन में आराम। एक–एक कर्मी

12 घंटे से लगातार ड्यूटी पर डटा है। नगर निगम के कर्मी भी जगह –जगह सेनीटाइजेशन करते देखे जा सकते है। ये सभी लोग अपनी जान जोखिम में डालकर कार्य कर रहे हैं।

लेकिन, लोगों को खाद्य पदार्थ की आपूर्ति सुचारु रूप से व सही दामों पर हो रही है या नहीं , इस व्यवस्था को देखने वाला विभाग नदारद है। विभागीय मंत्री परदे से गायब है ,मुख्य मंत्री भी खामोश है।

जागो सरकार,यहाँ आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी ने आम इंसान की कमर तोड़ दी है।

राजधानी के हर इलाके में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बड़ा उछाल आ गया है । हैरानी वाली बात है कि एक ओर तो सरकार कह रही है कि आवश्यक वस्तुओं में कमी नहीं आएगी लेकिन दूसरी ओर जिस प्रकार से आटा, दालें, सब्जियां इत्यादि के दामों में तेजी के साथ बढोतरी हुई है वह उसके कथन को झूठ साबित कर रहा है। उससे रोज की दिहाड़ी कमाने वाले आम इंसान के सामने अपने परिवार का पेट पालना बड़ी विपदा बन चुका है। गजब बात है कि राजधानी में आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी व कालाबाजारी रोकने में भी जब त्रिवेन्द्र सरकार फेल साबित दिखाई दे रही है तो वह कोरोना वायरस जैसी घातक बीमारी का सामना कैसे करेगी इसका अंदाजा अपने आप लगाया जा सकता है?

सब्जियां आम आदमी की जेब पर भारी पड़ रहीं हैं बता दें कि, जो मटर–गोभी लॉकडाउन से पहले 20 रुपए प्रति किलो थी वह 80–60 रुपए प्रति किलो बिक रही है। बताया जा रहा है कि 50 किलो के आलू के कट्टे में 200 रुपए का उछाल आया है और प्रत्येक किलो आलू 40 रुपए से भी ज्यादा का बेचा जा रहा है। कल से नवरात्रें शुरू हो रहे है और जो नारियल 25–30 रुपए प्रति नग मिल रहा था वह लॉकडाउन के चलते 55–60 रुपए प्रति नग मिल रहा है।

आटे का कट्टा 320–330 रुपए का था वह कुछ स्थानों पर 500 रुपए का बिक रहा है। लोकल आटा आम इंसान 25 रुपए किलो खरीद रहा था, उसके दामों में भी दस रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी होना साफ दर्शा रहा है कि किस तरह से जमाखोर कालाबाजारी का खुला तांडव कर रहे है। एक दुकानदार ने बताया कि जिन दालों के रेट 120 रुपए प्रति किलो थे उसमें रिटेल में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है।

यहाँ तक की काला बाजारी करने वाले 10 रुपये में मिलने वाली हवसक सिंम की सिगरेट को 12 रुपये में बेच रहे है। ये तो मात्र कुछ उदहारण है सरकार की लापरवाही के। ऐसे हालातों से विभागीय अधिकारिओं का कुछ नहीं बिगड़ता ,फजीहत जनता की होती है और ,बदनामी सरकार की ,अभी भी वक्त है जागो सरकार ,अब तो जाग जाओ।

न्यूज डायरी

कोरोना वायरस की वजह से फैली अफवाहों ने पॉल्ट्री व्यापार किया ठप्प

देहरादून **संवाददाता**। कोरोना वायरस की वजह से फैलाई जा रही अफवाहों के चलते देश के करीबन लाखों लोगों के समक्ष रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाने वाले पॉल्ट्री प्रोडक्ट इसका बुरा प्रभाव पड़ा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि मुर्गी पालन के कारोबार में लगे लोगों के समक्ष संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यहां मिली जानकारी के अनुसार कोरोना वायरस के कहर के बीच अफवाहों के जरिए लोगों के बीच संदेश फैला कि शाकाहारी खाना मांसाहार के मुकाबले बेहतर और स्वास्थ्यवर्द्धक है। पाल्ट्री प्रोडक्ट से कोरोना वायरस का संक्रमण होने की अफवाह सोशल मीडिया पर फैली तो अचानक प्रोडक्ट की मांग घट गई। देश के कई हिस्सों में मुर्गी पालक 28 से 30 रुपये किलो की दर से मुर्गियां बेचने को मजबूर हो गए, जबकि इनके पालन में 60 से 70 रुपये प्रति किलो का खर्च आता है।

स्टूडेंट्स और नौकरीपेशा लोग लॉकडाउन में ब्रेड जैम खाकर चला रहे काम

हल्द्वानी **संवाददाता**। कोरोना के कारण प्रदेशभर में लॉकडाउन होने से लोग घरों से नहीं निकल रहे हैं । मॉल, दुकान, रेस्टोरेंट सब बंद है। जरूरी सेवाओं की दुकानों को ही कुछ देर के लिए खोला जा रहा है। ऐसे में सर्वाधिक दिक्कत उन लोगों को हो रही है जो घरों से बहर रहकर जॉब या पढाई कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर लोग रेस्टोरेंट या ढाबे में खाना खाते हैं या टिफिन मंगाते हैं। पीजी, हॉस्टल व रेंट पर रहने वाले स्टूडेंट्स और नौकरीपेशा लोगों को अब मुश्किलों का सामना करना पड रहा है। इनके सामने खाने पीने तक की समस्ध्या शुरू हो गई है। कई लोग तो बिस्किट और ब्रेड–जैम खाकर समय पेट भर रहे हैं। लॉकडाउन होने के कारण फूड डिलेवरी तक नहीं हो पा रही है।

लॉकडाउन के दूसरे दिन पुलिस ने दिखाई सख्ती

संवाददाता रुड़की। लॉकडाउन के दूसरे दिन दस बजते ही पुलिस–प्रशासन फार्म में आ गया। बिना वजह बाइकों पर घूम रहे युवकों और दुकानदारों की पुलिस ने जमकर खबर ली। किसी को मुर्गा बनाया तो किसी से उठक–बैठक लगवाई। साथ ही, कलियर पुलिस ने तो समाज के दुश्मन की पट्टी गले में डालकर लोगों को गलती का एहसास कराया। शहर से लेकर देहात तक सभी मुख्य रास्तों को बंद कर दिया गया। इस दौरान 15 वाहनों को सीज किया गया। 22 के चालान काटे गए।

लॉकडाउन में पुलिस ने किया जनता को जागरूक

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस से बचाव के लिए जिस प्रकार से मंगलवार को तीन घंटे की मिली छूट का जहां लोगों ने राहत महसूस की, वहीं दूसरी ओर पुलिस कर्मचारी लोगों को बता रहे थे कि राज्य सरकार ने 31 मार्च तक पूरे उत्तराखंड को लॉकडाउन किया गया है। इसी के परिपेक्ष्य में आज तीसरे दिन भी प्रमुख चौराहों पर वाहन चालकों को पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने मॉस्क लगाये जाने के साथ ही अन्य बचाव की जानकारियां प्रदान की। कहा कि अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। आज घंटाघर सहित अन्य चौराहों पर तैनात पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने घरों से बाहर आये वाहन चालकों को मॉस्क लगाये जाने के साथ ही लॉकडाउन सहित अन्य जानकारियां प्रदान की। इस दौरान वाहन चालकों को मॉस्क लगाये जाने के बारे में विस्तार से बताया गया। कहा कि मॉस्क एवं सैनिटाइजर का अनिवार्य रूप से प्रयोग किया जाये और सुरक्षित रहें। कई लोगों ने पुलिस की इस जानकारी का पालन किया और कैमिस्ट की दुकान से मॉस्क लेकर मुंह पर लगाकर अपने घरों को गये।

लॉकडाउन के दूसरे दिन कुछ यू रहा राजधानी दून का नजारा।

लॉकडाउन में मिली तीन घंटे की छूट, लोगों ने खरीदा जरूरी सामान, फिर पसरा सन्नाटा

संवाददाता

देहरादून। विश्वभर में फैले कोरोना वायरस के बचाव को लेकर किये गये उत्तराखंड लॉकडाउन में सुबह सात बजे से सुबह 10 बजे तक की छूट के चलते लोगों का जरूरी सामान लेने के लिए आवागमन रहा। दस बजे के बाद पुलिस ने प्रमुख चौराहों पर बैरीकेडिंग लगा दी और करीबन सवा ग्यारह बजे तक राजधानी व आसपास के क्षेत्रों को पूरी तरह से लॉकडाउन करा दिया गया। आज घंटाघर पर सुबह सात बजे से लेकर सुबह दस बजे तक वाहनों का आवागमन आवश्यक वस्तुओं को खरीदने की छूट में होता रहा और लॉकडाउन के चलते मिली छूट का लोगों ने भरपूर लाभ उठाया।

■अनावश्यक रूप से बाहर आने वालों पर कसा कड़ा शिकंजा

लोग खाने पीने के सामान की खरीददारी के लिए बाहर निकले। आसपास के क्षेत्रों में सड़कों पर वाहनों का आवागमन होता रहा और प्रमुख बाजार पूरी तरह से बंद रहे। आवश्यक वस्तुओं की दुकानें खुली रही और लोगों ने अपनी जरूरत का सामान भी खरीदा। इसके बावजूद मोती बाजार स्थित छोटी सब्जी मंडी में काफी भीड़भाड़ रही। लोगों ने जमकर फल एवं सब्जियों की खरीददारी की। यहां पर पुलिस की भी व्यवस्था की गई थी। पुलिस की गाड़ियां लगातार सूचना प्रसारित करती जा रही थी कि दस बजे से पहले अपने अपने घरों में चले जायें। रेलवे स्टेशन पर पूरी तरह से बैरीकेडिंग लगाई गई और किसी को भी प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था। पुलिस की सख्ती के चलते हुए सवा घंटे बाद लॉकडाउन कर दिया गया।

पुलिस ने राजधानी सहित आस– पास के प्रमुख क्षेत्रों में बैरीकेडिंग लगाई गई। अनावश्यक रूप से बाहर आने वालों पर कड़ा शिकंजा कसा गया। कहा कि अनावश्यक रूप से बाहर आने पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। 10 बजे तक सभी दुकानें व बैंक बंद हो गये। पेट्रोल पम्पों, चिकित्सालय, खाद्य सामग्री आवश्यक वस्तुयें, नगर निगम, मीडिया, एम्बुलेंस को लॉकडाउन से मुक्त रखा गया है।

नदी नालों के किनारे सैनिटाइजर का छिड़काव जरूरीः राजकुमार

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा है कि कोरोना वायरस जैसी गंभीर बीमारी से निपटने के लिए जहां जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है वहीं उन्होंने जिलाधिकारी के समक्ष इस वायरस के चलते हुए जनहित में मांगें रखी हैं और उनके समाधान का आग्रह किया है। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि शहर के छोटे–बड़े नालों में सैनिटाइजर के छिड़काव की भारी कमी आ रहीं है जिसमे प्रभात सिनेमाघर से लेकर भूसा स्टोर का नाला, सर्वे चौक से रायपुर का नाला, राजा रोड से सहारनपुर चौक का नाला, सहारनपुर चौक से इन्द्रेश अस्पताल का नाला, डालनवाला मे सर्कुलर रोड से बलवीर रोड का नाला, रेसकोर्स व चन्दन नगर का नाला, रिस्पना व बिंदाल नदियों के किनारे वाले नाले प्रमुख हैं यहां पर सैनिटाइजर का व्यापक स्तर पर छिड़काव किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में नगर निगम के शीर्ष अधिकारियों को अवगत कराये जाने के बाद भी इस दिशा में अभी तक कोई प्रयास नहीं किये गये हैं।